nirmaan
empowering communities

अपनी बिरज, अपनी भासा

बिरज भासा पतरिका

जुलाई ते सितम्बर-2019

सूविचार

1.दया बू बोली ऐ जाय बहरे सुन सकैं और अंधे देख सकैं।

2. बे सबते जादा खुस रहमें जो सदां दूसरेन की मदद करें।

3. इंसान जितेक सीधे स्वभाव ते सलाह दैबै, इतने भोलेपन ते और कछू ना दैबै।

4. सिक्छा बा सेरनी कौ दूध ऐ, जो जितनौ पिबैगौ बू उतनौ ही दहाडैगौ।

तईयार करबे बारेः-

जगदीश चन्द नैहचैनिया और सतवीर चौधरी

मदत करबे बारेः-

मुकेश कुमार योगी, रतन लाल योगी और कविता योगी

सरकारी योजना (राजस्थान बेरोजगारी भत्ता)

राजस्थान सरकार नै ऐसे पढे-लिखे बेरोजगार जिन्नै अभई तक कोई नौकरी या काम धंधौ ना मिलौ है उन काजैं सरकार नै बेरोजगारी भत्ता योजना चलाई है।बेरोजगारी योजना काजैं मुख्य बिन्दु-

. आवेदक राजस्थान कौ रहबे बारौ हौनौ चहियै।

. उमर 21 साल ते 35 बरस तक हौनी चहियै।

. सामान्य वर्ग काजैं उमर की सीमा 30 बरस रखी गई है।

. SC/ST वर्ग काजैं उमर की सीमा 35 बरस है।

. आवेदक ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट हौनौ चहियै।

. परिवार की सालाना आमदनी 2 लाख से ज्यादा ना हौनी चहियै।

. या योजना काजैं वही आवेदन करै जानै पहलैं नौकरी ना करी हो।

.युवक और युवतियां दोनूं आवेदन कर सकते हैं।

जरुरी कागज

. 12 वीं की मार्क सीट

. इस्नातक परिक्छा की अंकतालिका

.जाति पिरमान पत्तर

. बैंक खाते की पासबुक

. E-mail ID और फोन नंबर होनौ जरुरी है।

. आय पिरमान पत्तर

आवेदन करबे कौ तरिका

जरुरी कागज लैकैं नजदीक ई-मित्तर की दुक
युवक काजैं 3000 रुपईया और युवतीन काजैं 3500 रुपइया मिलग।

पहेली

1.अक्क चले ना वक्क चले, चले कमर कस या बात कौ अर्थ बतादै रुपइया दुंग्गौ दस।

उत्तर- सूंत कातने का चरखा

2.नैकसीसी तलईया यामै तिल घुसै ना राई, हाती पीगे घोडा पीगे, पीगे लोग लुगाई।

उत्तर- भैंस का थन।

कहानी

रक्छा

एक बेर कछू सिकारी एक बकरा के पीछैं परगे तौ बकरा दौड लगाकैं अंगूर के बाग में घुस गयौ। वहां एक घनी लम्बी बेल के पीछैं छुपगौ। जाते कि सिकारी बाय ढूंढ ना पामैं। सिकारी वापिस लौट गे। बकरा नै जब देखौ कि सिकारी वापिस चलेगे तौ बू पेड के नीचे ते निकर आयौ और पेड की पत्ती खाबे लग्गौ। कछू देर में ही हरौ-भरौ पेड ही बरबाद है गयौ। सिकारी जादा दूर तक ना गये। उन्नै पत्तीन की सरसराहट की अवाज सुनी। सिकारीन्नै घूमकैं देखौ तौ पेड की बेलन में हलचल है रई। वे दुबारा बकरा ऐ ढूंढबे आये तौ उन्नै बकरा मिलगौ। बे बाय पकडकैं लैगे। बकरा कूं ईयई दंड काफियौ क्योंकि बकरा नै ऊई पेड खतम करौ जानै बाकी रक्छा की थी।

दोहा

1- सांचे कूं सांचौ मिलै, अधिक बढै प्यार।

झूठे कूं सांचौ मिलै, तड़ दे टूटे प्यार॥

अर्थ :- सत्य बोलने वाले को सत्य बोलने वाला मनुष्य मिलता है तो उन दोनों के मध्य अधिक प्रेम बढता है किन्तु झूठ बोलने वाले को जब सच्चा मनुष्य मिलता है तो प्रेम अतिशीघ्र टूट जाता है क्योंकि उनकी विचार धारायें विपरीत होती है।

2- राजपाट धन पायके, क्यों करता अभिमान।

पडोसी की जो दसा, सो अपनी जान॥

अर्थ :- राज पाट सुख सम्पत्ती पाकर तू क्यों अभिमान करता है। मोहरूपी यह अभिमान झूठा और दारूण दुःख देणे वाला है। तेरे पडोसी जो दशा हुई वही तेरी भी दशा होगी अर्थात् मृत्यु अटल सत्य है। एक दिन तुम्हें भी मरना है फिर अभिमान कैसा?

चुटकला

1.एक बईयर अपने छोरा ते बोली अपने मामा में चपत लगाते हुये तोय सरम ना आई। बानै नै अपने छोरा में डाट दई। छोरा बोलौ मम्मी मैंने तौ चपत ही लगाई है। भगवान किरस्न नै तौ अपनौ मामा जान तेई मार डारौ।

2.एक भिखारी नै दरबज्जे पै आकैं अवाज लगाई-दाता के नाम पै रोटी दैदो। भीतर ते अवाज आई-मम्मी घर पै नाय। यापै बिखारी बोलौ-मैं रोटी मांग रंऊ,तुम्हारी मम्मी नाय।

भजन

टेक- मेरे तनक पकर लै हात सिढयन पै चढा लै गिरधारी

1.मेरी आंख बिरज की हारी हैं मैंनै दरसन कर दिन-रात

मेरे तनक पकर लै हात सिढयन पै चढा लै गिरधारी

2.मेरे हात बिरज के हारे हैं मैंनै दान करे दिन-रात

मेरे तनक पकर लै हात सिढयन पै चढा लै गिरधारी

3.मेरे कान बिरज के हारे हैं मैंनै गीता सुनी दिन-रात

मेरे तनक पकर लै हात सिढयन पै चढा लै गिरधारी

4.मेरे पांम बिरज की हारे हैं मैंनै परिकम्मा दई दिन-रात

मेरे तनक पकर लै हात सिढयन पै चढा लै गिरधारी

5.मेरी काया बिरज की हारीयै मैंनै दंडौती दई दिन-रात

मेरे तनक पकर लै हात सिढयन पै चढा लै गिरधारी

लोक-गीत

1.छोरा तू एम ए मैं बी ए पढी चल सादी करलैं दोनों जने

छोरा पापा तौ मेरौ मनै करै चल मम्मी को मनालैं दोनूं जने

2. छोरा तू एम ए मैं बी ए पढी चल सादी करलैं दोनों जने

छोरा ताऊ तौ मेरौ मनै करै चल ताईयै मनालैं दोनूं जने

3. छोरा तू एम ए मैं बी ए पढी चल सादी करलैं दोनों जने

छोरा चाचा तौ मेरौ मनै करै चल चाची को मनालैं दोनूं जने

4. छोरा तू एम ए मैं बी ए पढी चल सादी करलैं दोनों जने

छोरा भईया तौ मेरौ मनै करै चल भाभीयै मनालैं दोनूं जने

मुहावरा

1. चुंग्गल में फसगौ।

अर्थ- किसी के काबू में होना।

2. चुल्लू भर पानी में डूबकैं मर जानौ चहियै।

अर्थ- बहुत शर्मिन्दा होना।

कहावत

1.करै कोई और भरै कोई।

अर्थ- गलती करनेवाले को सजा न देकर किसी और को देना।

2.बेटा और लोटा बाहर ही चमकै।

अर्थ- जैसे लोटे का बाहरी भाग चमकता है वैसे ही पुत्र घर के बाहर नाम रोशन करता है यानि इज्जत पाता है।

जीनौ ऐसें चहियै जैसै तुम कल ही मरबे बारे हों। और सीखनौ ऐसैं चहियै जैसैं तुम सदां जीबे बारे हों।

सम्पर्क
निर्माण सोसायटी
सहारई रोड़, ब्लू बर्ड स्कूल के पास,
डीग, भरतपुर, राजस्थान- 321203
Ph.-05641- 224424, 9587593455
Email-rajasthanlanguages@nirmaan.org.in
Web.-www.nirmaan.org.in